भाकृअनुप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

मार्च 2024 के प्रथम पखवाड़े की रणनीतियाँ

चावल खेती की जाने वाले अधिकांश क्षेत्रों में पीला तना छेदक का अत्यधिक प्रकोप देखा गया है। इसलिए, निम्नलिखित प्रबंधन प्रथाओं को तुरंत अपनाने की सलाह दी जाती है:

- *पीला तना छेदक और पत्ती मोड़क की निगरानी के लिए चावल के खेत में प्रति एकड़ 3 फेरोमोन जाल लगाएं।*

  जब भी नर कीट/जाल की संख्या प्रति दिन 3 तक पहुँच जाए, तो निम्नलिखित कीटनाशकों में से किसी एक का छिड़काव या प्रयोग करें:

  अज़ाडिराक्टिन 0.15% नीम बीज गिरी आधारित ईसी फॉर्मूलेशन 800 मिली/एकड़ की दर से छिड़काव करें

  या

  दानेदार कीटनाशक क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 0.4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ की दर से छिड़काव करें

  या

  कार्टप हाइड्रोक्लोराइड 4जी 10 किग्रा/एकड़ की दर से 1:1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर प्रयोग करें

  या

  क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ की दर से छिड़काव करें

  या

  फ्लुबेंडियामाइड 480एससी (39.35% डब्ल्यू/ डब्ल्यू) 20 मिली/एकड़ की दर से200 लीटर पानी में मिलाकर प्रयोग करें

- *जहां भी संक्रमण और अंडे का समूह दिखाई दे, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे प्रति एकड़ 1 कार्ड (1 सीसी) की दर से ट्राइको कार्ड (ट्राइकोग्रामा जैपोनिकम) का उपयोग करें। साप्ताहिक अंतराल पर ऐसी ही 4 से 5 रिलीज़ की जा सकती हैं।*
- *किसानों को सलाह दी जाती है कि वे भारी संक्रमण से बचने के लिए नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों का विवेकपूर्ण प्रयोग करें।*
- *जहां भी संभव हो, पीले तना छेदक के अंडों को इकट्ठा करें और नष्ट कर दें।*

- *पौधे के निचले हिस्सों पर जमा अंडों को डुबोने के लिए समय-समय पर सिंचाई के पानी का स्तर बढ़ाएं।*
- *पीले तना छेधक के वयस्क कीटों को पकड़ने के लिए प्रकाश जाल का प्रयोग करें।*

1. ग्रीष्मकालीन चावल की रोपाई

रोपी गई फसल के लिए

- *जिन किसानों ने पहले ही रोपाई पूरी कर ली है, रोपाई के 5-8 दिनों के बाद वे दानेदार शाकनाशी बेंसल्फ्यूरॉन-मिथाइल + प्रीटिलाक्लोर 4 किग्रा/ एकड़ की दर से प्रयोग करें। दानेदार शाकनाशी को 4 किलो रेत/एकड़ में मिलाकर समान रूप से छिटकावा विधि से खेत में प्रयोग करें या रोपाई के 3-5 दिनों के बाद पायराज़ोसल्फ्यूरॉन-एथिल 10 डब्ल्यूपी 80 ग्राम / एकड़ दर से 140 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या रोपाई के 10-15 दिनों बाद या खरपतवार की 2-3 पत्ती अवस्था में बाइस्पिरीबेक-सोडियम 120 मिलीलीटर/एकड़ दर से 140 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*
- *बकाने रोग का प्रकोप दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम 50 डब्लयू पी 200 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें और 7-10 दिनों के अंतराल पर दोबारा छिड़काव करें।*

पहले से ही स्थापित प्रतिरोपित धान फसल

- *स्थापित प्रतिरोपित धान के खेत में 35 किग्रा/एकड़ की दर से 20-25 डीएटी (दौजियां निकलने की अवस्था) पर टॉप ड्रेसिंग के रूप में यूरिया डालें।*
- *यदि खरपतवार नियंत्रण के लिए आविर्भाव-पूर्व/शीघ्र आविर्भाव वाली शाकनाशी प्रयोग नहीं किया गया है तो रोपाई करने के 15-20 दिनों बाद हाथों से निराई करें या चौड़े पत्ते वाले खरपतवार नियंत्रण के लिए आविर्भाव पश्चात शाकनाशी पेनॉक्ससुलम 1.02% + साइहालोफॉप-ब्यूटाइल 5.1% 800 मिली / एकड़ दर से प्रयोग करें।*
- *पीला तना छेदक की निगरानी लगातार की जानी चाहिए। जब नर कीट/जाल की संख्या 4 या 5 तक पहुंच जाए, अजाडिक्टीन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित ईसी सूत्रण 800 मिली/एकड़ दर से या दानेदार कीटनाशक क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ दर से छिड़काव करें या करटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/एकड़ 1: 1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर का छिड़काव करें।*
- *प्रध्वंस संक्रमण दिखाई देने पर, कार्बेन्डाजिम 50 डब्लयू पी 200 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% + टेबूकोनाजोल 50% 80 ग्राम प्रति एकड़ दर*

से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या एडिफेनफोस 50 ईसी 200 मिलीलीटर प्रति एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

2. आर्द्र सीधी बुआई चावल

- *पीला तना छेदक की निगरानी लगातार की जानी चाहिए। जब नर कीट की संख्या प्रत्येक जाल 4 या 5 तक पहुंच जाए, अजाडिक्टीन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित ईसी सूत्रण 800 मिली/एकड़ दर से या दानेदार कीटनाशक क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ दर से छिड़काव करें या करटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/एकड़ 1: 1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर का छिड़काव करें।*
- *यदि आविर्भाव-पूर्व शाकनाशियों का प्रयोग नहीं किया गया है, खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए बुआई के 5-10 दिन के बाद बाइस्पिरीबेक-सोडियम 120 मिलीलीटर/एकड़ से या खरपतवार की 2-3 पत्ती अवस्था में या*

  बुआई करने के 15-20 दिनों बाद पेनोक्सुलाम 1.02% + साइहालोफाप-ब्यूटाइल 5.1% 800 मिली/एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- *प्रध्वंस संक्रमण दिखाई देने पर, कार्बेन्डाजिम 50 डब्लयू पी 200 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% + टेबूकोनाजोल 50% 80 ग्राम प्रति एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें या एडिफेनफोस 50 ईसी 200 मिलीलीटर प्रति एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*
- *यदि भूरे धब्बे का प्रकोप दिखाई दे तो प्रोपीकोनाजोल 25% ईसी 200 मिली/एकड़ की दर से या कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% 500 ग्राम/एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*
- *किसानों को सलाह दी जाती है कि धान की खेती के सभी पहलुओं पर जानकारी प्राप्त करने के लिए एनआरआरआई द्वारा विकसित राइसएक्सपर्ट मोबाइल ऐप (गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध) को डाउनलोड और उपयोग करें।*